भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 400

21 जुलाई, 2026 को उत्तरार्थ

विषय- गन्ने के उत्पादन में गिरावट

400. श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटीलः

श्री बलवंत बसवंत वानखडेः

श्रीमती सुप्रिया सुलेः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में लाल सड़न (रेड रोट), अलनीनो-जनित सूखे और बेमौसम वर्षा सहित अनियमित मौसम की स्थिति जैसी फसल रोगों के कारण गन्ने के उत्पादन में गिरावट तथा श्रम और खेती की बढ़ती लागत के कारण किसानों के वैकल्पिक फसलों की ओर बढ़ते झुकाव पर ध्यान दिया है;

(ख) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में चीनी की वसूली, किसानों की आय और सहकारी चीनी मिलों के कार्यकरण पर जिला-वार प्रभाव का आकलन किया है;

(ग) क्या राज्य में गन्ना उत्पादक क्षेत्रों के लिए कोई विशेष वित्तीय सहायता, रोग प्रतिरोधी गन्ने की किस्में, जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों और सिंचाई सहायता का प्रस्ताव है; और

(घ) महाराष्ट्र की चीनी अर्थव्यवस्था को संरक्षित करने और गन्ना किसानों की आजीविका की रक्षा करने के लिए अनुसंधान, रोग निगरानी और विस्तार सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(1) महाराष्ट्र राज्य में वर्ष 2024-25 के दौरान, गन्ने का उत्पादन 1,099.70 लाख टन से बढ़कर वर्ष 2025-26 (तीसरे अग्रिम अनुमान) में 1,316.49 लाख टन हो गया है **(अनुबंध 1)।**

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, नागपुर और नासिक में अपने क्षेत्रीय और केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्रों के माध्यम से नियमित रूप से कीटों की निगरानी करता है तथा 'फार्मर्स फील्ड स्कूल', 'सीज़न लॉन्ग ट्रेनिंग प्रोग्राम' और 'ओरिएंटेशन प्रोग्राम' जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से एकीकृत कीट प्रबंधन की जानकारी प्रदान करता है।

महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में सर्वेक्षण किए गए और वर्ष 2024-2025 के दौरान सर्वेक्षण किए गए 4295 हेक्टेयर क्षेत्र में से केवल 34 हेक्टेयर में गन्ने में रेड रॉट बीमारी का संक्रमण 'इकोनॉमिक थ्रेशोल्ड लेवल' से अधिक पाया गया। इसी तरह, वर्ष 2025-2026 में सर्वेक्षण किए गए 1450 हेक्टेयर क्षेत्र में से केवल 5 हेक्टेयर में 'इकोनॉमिक थ्रेशोल्ड लेवल' से अधिक संक्रमण देखा गया। इसके अनुसार, किसानों को परामर्शिका जारी की गई। आयोजित किए गए प्रशिक्षणों और जारी की गई परामर्शिकाओं का विवरण **अनुबंध II** में दिया गया है।

(ख): खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार गन्ने के क्षेत्र और उत्पादकता के अनुमान का व्यवस्थित रूप से आकलन करती है। चीनी का उत्पादन मुख्य रूप से फसल की किस्म, मिट्टी की स्थिति, मौसम के कारकों तथा विभिन्न अन्य क्षेत्रीय कृषि-जलवायु कारकों पर निर्भर करता है। हाल ही में समाप्त हुए पेराई सत्र के अनुसार, पूरे महाराष्ट्र में औसत चीनी उत्पादन दर 11.26% दर्ज की गई। राज्य भर में मौजूदा चीनी सत्र के दौरान कुल 210 चीनी मिलें (सहकारी और निजी दोनों तरह की पेराई इकाइयों की) संचालित थीं। किसानों की आय पर प्रभाव के संबंध में, नियामक भुगतान प्रणालियाँ (रेगुलेटरी पेमेंट मैकेनिज्म) का कार्यान्वयन अत्यधिक प्रभावी रहा है; विद्यमान चीनी सत्र के दौरान उत्पादकों को 'उचित एवं लाभकारी मूल्य' का लगभग 99.6% भुगतान सफलतापूर्वक किया गया।

लंबे समय तक आर्थिक दृढ़ता बनाए रखने के लिए, राज्य सरकार, मिलों को नेशनल इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम के तहत को-जेनरेशन पावर प्लांट और इथेनॉल डिस्टिलेशन यूनिट लगाने और उन्हें तकनीकी रूप से अपग्रेड करने के माध्यम से अपनी आय के संसाधन बढ़ाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करती है जिससे मिलें कैश फ्लो को बेहतर बना पाती हैं तथा केवल चीनी बाज़ार की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर निर्भरता नहीं रहती।

इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार द्वारा आगामी चीनी सीज़न 2026-27 के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य चीनी सीज़न 2025-26 में 355 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 365 रुपये प्रति क्विंटल तय कर दिया गया है, जो चीनी उत्पादन की 10.25% की दर पर आधारित है।

(ग) एवं (घ): वर्ष 2014-25 के दौरान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने सूखा सहिष्णु कुल 341 किस्में जारी की हैं, जिनमें से 36 गन्ने की किस्में हैं।

राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य वर्ष 2014-15 से केंद्र प्रायोजित योजना 'राष्ट्रीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा मिशन (एनएफएनएसएम) - वाणिज्यिक फसल: गन्ना विकास कार्यक्रम' कार्यान्वित कर रहा है। एनएफएनएसएम के तहत, किसानों तक लाभ पहुँचाने के लिए प्रदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से प्रोद्योगिकी के हस्तांतरण पर बल दिया गया है।

इस कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित घटक अर्थात्: (क) गन्ने के साथ इंटर-क्रॉपिंग और सिंगल बड चिप तकनीक का प्रदर्शन, (ख) ब्रीडर बीज उत्पादन के लिए सहायता, (ग) टिश्यू कल्चर पौधे, (घ) 02 दिन का राज्य-स्तरीय प्रशिक्षण, (ड.) पौधों की सुरक्षा और बायो-एजेंट का वितरण; (च) स्थानीय पहल जैसे रटून और ट्रैश मैनेजमेंट और सुपरकेन नर्सरी लागू किए जा रहे हैं।

वर्ष 2026-27 के दौरान, एनएफएनएसएम-गन्ना से संबंधित गतिविधियों को लागू करने के लिए महाराष्ट्र को 415.02 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (डीएआरई) गन्ने से संबंधित 'ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट' और 'बायोलॉजिकल कंट्रोल पर एआईसीआरपी' के माध्यम से बीमारियों और कीटों से लड़ने वाली गन्ने की किस्मों को उगाने, गन्ने की बीमारियों का पता लगाने और गन्ना उत्पादन पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

अनुबंध-I

<u>महाराष्ट्र में गन्ने के क्षेत्र, उत्पादन और उपज का विवरण:-</u>

क्षेत्रफल लाख हेक्टेयर में, उत्पादन लाख टन में और उपज किग्रा/हेक्टेयर में

क्षेत्र		**उत्पादन**		**उपज**	
2024-25	2025-26	2024- 25	2025-26	2024-25	2025-26
11.67	13.72	1,099.70	1,316.49	94,230	95,963

#वर्ष 2025-26 के लिए आँकड़े तीसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार है।

अनुबंध II

1. रीजनल और सेंट्रल इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट सेंटर्स द्वारा वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान रेड रॉट बीमारी के प्रबंधन के लिए जारी परामर्श

I. रेड रॉट बीमारी के प्रबंधन के लिए नासिक और अहिल्यानगर ज़िलों में वर्ष 2024-25 में 6 परामर्शिका जारी की गई।

II. वर्ष 2026-27 में रेड रॉट बीमारी के प्रबंधन के लिए नासिक ज़िले को 1 परामर्श जारी की गई।

2. रीजनल और सेंट्रल इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट सेंटर्स (सीआईपीएमसी) द्वारा गन्ने में कीटों और बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई गतिविधियाँ

i. गन्ने की मुख्य उत्पादक ज़िलों में गन्ने के कीटों और बीमारियों की नियमित निगरानी की गई।

ii. वर्ष 2024-25 के दौरान बचाव के उपाय के तौर पर गन्ने के इंटरनोड बोरर के प्रबंधन के लिए 12.98 मिलियन *ट्राइकोग्रामा चिलोनिस* रिलीज किए गए।

iii. वर्ष 2025-26 के दौरान बचाव के उपाय के तौर पर गन्ने के इंटरनोड बोरर के प्रबंधन के लिए 13.02 मिलियन *ट्राइकोग्रामा चिलोनिस* (650 ट्राइको कार्ड) रिलीज किए गए।

iv. वर्ष 2026-27 के दौरान बचाव के उपाय के तौर पर गन्ने के इंटरनोड बोरर के प्रबंधन के लिए 2.73 मिलियन *ट्राइकोग्रामा चिलोनिस* रिलीज किए गए।

v. सीआईपीएमसी, नासिक ने वर्ष 2023-24 के दौरान क्रमशः अहिल्यानगर ज़िले और नासिक ज़िले में गन्ने की फसल पर एफएफएस आयोजित किए।

vi. किसानों और एफपीओ को कीटों और बीमारियों की पहचान और प्रबंधन के बारे में जागरूक करने के लिए वर्ष 2024-25 और 2025-26 में अहिल्यानगर और नासिक ज़िलों में 2 दिन का ओरिएंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया।

vii. सीज़न-लॉन्ग ट्रेनिंग प्रोग्राम (15 दिसंबर, 2025 से 13 जनवरी, 2026) के दौरान, सीआईपीएमसी, नासिक ने राज्य विभाग के अधिकारियों को गन्ने के मुख्य कीटों/बीमारियों की पहचान और प्रबंधन के बारे में जागरूक किया।

viii. सीआईपीएमसी, नासिक ने वर्ष 2024-25 के दौरान सभी पंद्रह ज़िलों में कीटों और बीमारियों की तुरंत रिपोर्टिंग के लिए खेत में एनपीएसएस ऐप के उपयोग के बारे में प्रशिक्षण दिया।

*****